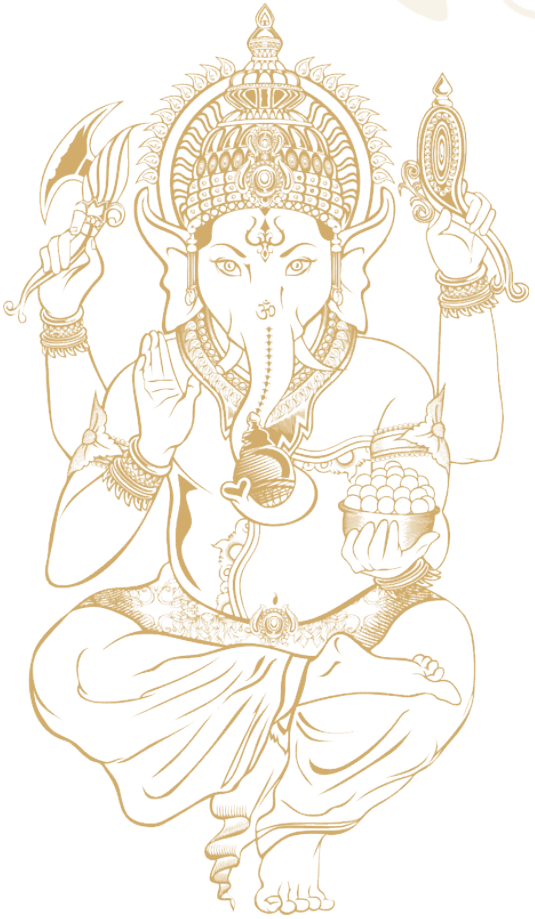

Rajesh kumar

05 Oct 1994

12:05 AM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121740906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**4-05/10/1994**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**00:05:00 घंटे**
इष्ट	44:28:43 घटी
स्थान	**Kurukshetra**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:59:00 उत्तर
रेखांश	76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:42:24 घंटे
वेलान्तर	00:11:09 घंटे
साम्पातिक काल	00:35:16 घंटे
सूर्योदय	06:17:30 घंटे
सूर्यास्त	18:04:57 घंटे
दिनमान	11:47:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:31:02 कन्या
लग्न के अंश	26:44:54 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	नाग
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पू-पुरुषोत्तम
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	26:44:54	308:45:16	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कन्या	17:31:02	00:59:08	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	सम राशि
चंद्र			कन्या	12:08:08	14:46:53	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	मित्र राशि
मंगल			कर्क	06:16:42	00:33:55	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			तुला	11:35:20	00:27:53	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मित्र राशि
गुरु			तुला	22:01:39	00:11:57	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	22:53:39	00:18:09	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	स्वराशि
शनि	व		कुंभ	12:56:08	00:03:19	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	21:21:05	00:04:11	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	मित्र राशि
केतु	व		मेष	21:21:05	00:04:11	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			धनु	28:36:15	00:00:08	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप			धनु	26:47:16	00:00:04	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	02:27:51	00:01:50	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			मीन	15:48:33	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:14

लग्न-चलित

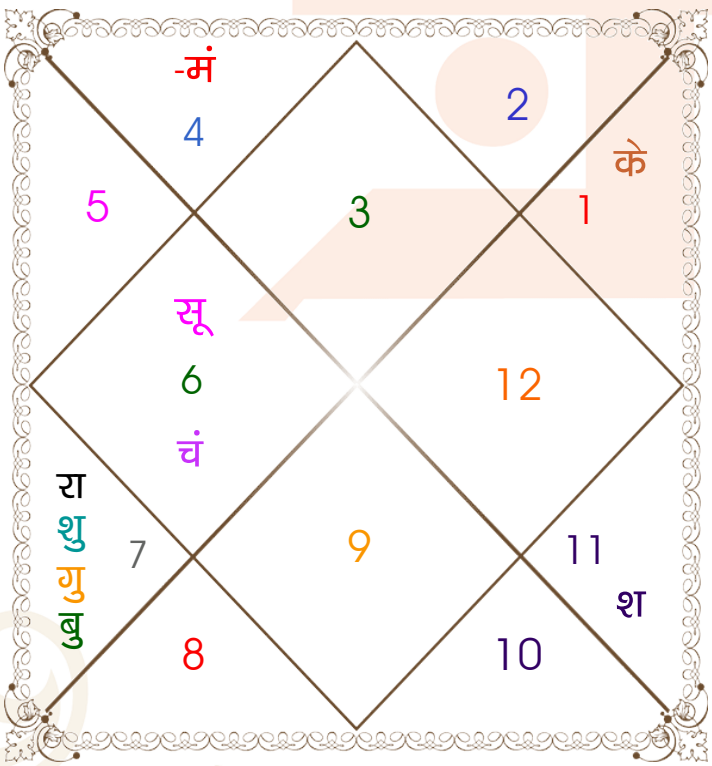

चन्द्र कुंडली

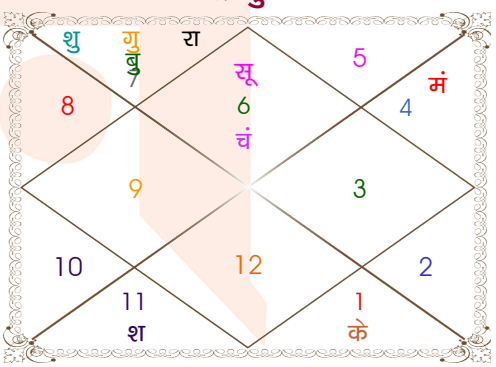

नवमांश कुंडली

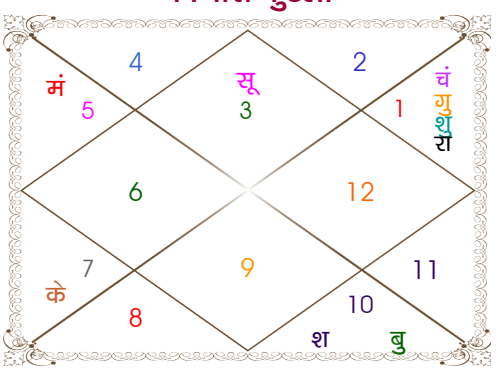

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 8 वर्ष 4 मास 23 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
05/10/1994		27/02/2003		27/02/2010		27/02/2028		27/02/2044	
27/02/2003		27/02/2010		27/02/2028		27/02/2044		27/02/2063	
	00/00/0000	मंगल	26/07/2003	राहु	09/11/2012	गुरु	16/04/2030	शनि	02/03/2047
	05/10/1994	राहु	13/08/2004	गुरु	04/04/2015	शनि	28/10/2032	बुध	09/11/2049
राहु	28/01/1996	गुरु	20/07/2005	शनि	08/02/2018	बुध	03/02/2035	केतु	19/12/2050
गुरु	29/05/1997	शनि	28/08/2006	बुध	28/08/2020	केतु	10/01/2036	शुक्र	18/02/2054
शनि	28/12/1998	बुध	26/08/2007	केतु	15/09/2021	शुक्र	10/09/2038	सूर्य	31/01/2055
बुध	29/05/2000	केतु	22/01/2008	शुक्र	15/09/2024	सूर्य	29/06/2039	चंद्र	31/08/2056
केतु	28/12/2000	शुक्र	23/03/2009	सूर्य	10/08/2025	चंद्र	28/10/2040	मंगल	10/10/2057
शुक्र	28/08/2002	सूर्य	29/07/2009	चंद्र	09/02/2027	मंगल	04/10/2041	राहु	16/08/2060
सूर्य	27/02/2003	चंद्र	27/02/2010	मंगल	27/02/2028	राहु	27/02/2044	गुरु	27/02/2063

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
27/02/2063		27/02/2080		27/02/2087		28/02/2107		27/02/2113	
27/02/2080		27/02/2087		28/02/2107		27/02/2113		00/00/0000	
बुध	26/07/2065	केतु	25/07/2080	शुक्र	28/06/2090	सूर्य	18/06/2107	चंद्र	29/12/2113
केतु	23/07/2066	शुक्र	24/09/2081	सूर्य	29/06/2091	चंद्र	17/12/2107	मंगल	30/07/2114
शुक्र	23/05/2069	सूर्य	30/01/2082	चंद्र	26/02/2093	मंगल	23/04/2108	राहु	06/10/2114
सूर्य	29/03/2070	चंद्र	31/08/2082	मंगल	29/04/2094	राहु	18/03/2109		00/00/0000
चंद्र	29/08/2071	मंगल	28/01/2083	राहु	28/04/2097	गुरु	04/01/2110		00/00/0000
मंगल	25/08/2072	राहु	15/02/2084	गुरु	28/12/2099	शनि	17/12/2110		00/00/0000
राहु	14/03/2075	गुरु	21/01/2085	शनि	28/02/2103	बुध	23/10/2111		00/00/0000
गुरु	19/06/2077	शनि	02/03/2086	बुध	29/12/2105	केतु	28/02/2112		00/00/0000
शनि	27/02/2080	बुध	27/02/2087	केतु	28/02/2107	शुक्र	27/02/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 8 वर्ष 4 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षीतिज पर मिथुन लग्नोदय काल मिथुन राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इस प्रकार आपका जन्म लग्न वर्गोत्तम की श्रेणी में आवद्ध होकर आपके सर्वोतम जीवन को सुनिश्चित करता है।

आप उत्कृष्ट प्राणी समूह के चयनित अद्वितीय सौभाग्यशाली व्यक्ति हैं। आप आरामदाय, मधुर एवं संपन्न जीवन का आनंद प्राप्त कर सकेंगे। आप सामाजिक समर्पित एवं कल्याणकारी हैं। आप गरीब एवं जरूरत मंद लोगों की सहायता कर सकते हैं। आपका जन्म लग्न इस बात को सुनिश्चित करता है कि आप अगले जन्म में भी पूर्ण सुविधा संपन्न एवं महान भाग्यशाली व्यक्ति होंगे।

आप में अतिशय महत्वाकांक्षा नहीं है। आपको जो कुछ भी प्राप्त होता है, उससे ही संतुष्ट हो जाते है। आप अन्य लोगों की तरह विलाप करने वाले नहीं हैं। आपको अपने परिश्रम का जो भी परिणाम प्राप्त होता है उससे अधिक की अपेक्षा नहीं करते। जो आपके मस्तिष्क को शांति प्रदान करता हैं तथापि कोई संदेह नही कि आप धन प्राप्ति हेतु कुछ भी कार्य-व्यवसाय करते हैं। आप कुशग्र बुद्धि के चालाक प्राणी हैं। आप अच्छे और बुरे का भेद जानने में सक्षम हैं। आप इच्छानुसार ठीक प्रकार से निश्चितता पूर्वक अच्छी आय का लाभांश प्राप्त करने के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

मुख्यतः आपके जीवन की 25 वें वर्ष की आयु के पश्चात् धनी हो जाएंगे। तब से आपका सवर्णिम काल प्रारंभ होगा।

परंतु मिथुन के प्रभाव से आप समयानुसार अपना व्यवसाय तथा पेशा प्रारंभ हेतु प्रवृत हो सकते हैं। इसलिए यदि आप अनिश्चित लाभ प्राप्त हेतु समय या साधन का दुरुपयोग करेंगे वह अकारण ही बर्वाद हो जाएगा। आप इस प्रकार के विचार पर नियंत्रण रखें तथा अपनी मनोवृत्ति के अनुसार व्यवसाय की तलाश अथवा निश्चितता हेतु दृढ़ निश्चयात्मक प्रवृत्ति का सदुपयोग करे।

आपके लिए उत्तम एवं उपयुक्त व्यवसाय, पत्रकारिता, पुस्तक प्रकाशन, वकालत अध्यापन कार्य, ज्योतिषीय कार्य तथा किसी धार्मिक संगठन के प्रधान पद पर नियोजित होकर, लाभ प्राप्त करेंगे।

आप में निःसंदेह यह गुण विद्यमान है कि आप कई कार्यों को एक ही समय पर संपादन कर सकते हैं। परंतु निश्चित समय पर किसी एक ही कार्य का संपादन करें। परंतु उत्तम तो यह है कि आप एक निश्चित कार्य की ओर परिवर्तित होकर एक समय में एक ही कार्य में संलग्न हो जाएं।

आप चतुर, तीक्ष्ण बुद्धि के प्रतिभा संपन्न हैं। आप आकस्मिक घटनाओं के संबंध में सकारात्मक प्रतिक्रिया पर निर्भर हो सकते हैं। इस प्रकार अनेक व्यक्ति परिस्थितिवश आपके

पास पहुंच कर, आपका निर्देश प्राप्त करने के लिए आप पर दबाव डाल कर किस प्रकार लाभ प्राप्त हो ऐसी राय आप से लेगा।

आप लंबे, दुबले आकृति के, पैनी दृष्टि से युक्त एवं अति प्रसिद्ध व्यक्ति हैं। आप विपरीत योनि के प्रति बहुचर्चित होकर संबंधित स्त्रियों के साथ वासनात्मक व्यभिचारिक संबंध रखेंगे।

आप ऐसा नही चाहेंगे कि आपका पारिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो जाए। अतः आपको इस मनोवृत्ति को त्यागना होगा।

जबकि आप अपनी पत्नी एवं संतान को प्यार करते हैं तथा आपको प्रसन्नतम गृह व्यवस्था उपलब्ध है फिर घर से बाहर वासानात्मक संतुष्टि क्यों चाहते हो। आपका स्वास्थ्य उत्तम एवं पूर्ण अनुकूल रहेगा। परंतु आपको संभवित रोगादि के प्रति रक्षात्मक प्रक्रिया प्रारंभ करनी होगी ताकि अधिक आयु में कर्ण समस्या उदर की प्रतिकूलता तपेदिक रोग तथा श्वासनली की गड़बड़ी एवं संबंधित रोगादि से पीड़ित न हों।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 7 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। इसके अतिरिक्त दो अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आप सफेद रंग के प्रति आकर्षित रहते हैं। परंतु सुंदर एवं उन्नति कारक रंग गुलाबी हरा, नीला, पीला एवं बैगनी रंग है। रंग काला एवं लाल रंग त्यागनीय है।